

नईदुनिया

एफआईएच महिला हाकी नेशंस कप 2026 : भारत ने जापान को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह



आकलैंड
भारतीय महिला हाकी टीम ने एफआईएच महिला हाकी नेशंस कप 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पूल-ए के अपने दूसरे मुकाबले में मंगलवार को जापान को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में स्थान पक्का कर लिया। लगातार दूसरी जीत के साथ भारत अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया।

नार्थ हॉबर्ट नेशनल हाकी सेंटर में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम की कप्तान सलीमा टेटे और लालरेमसियामी ने गोल दागे, जबकि जापान के लिए एकमात्र गोल हिरामित्सु ने किया। यह मुकाबला भारतीय मिडफील्डर ज्योति के लिए भी खास रहा, जिन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का 100वां मुकाबला खेला। पहले दो क्वार्टर में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए लेकिन कोई भी गोल करने में सफल नहीं हो सकी और मध्यांतर तक मुकाबला गोलरहित

रहा। तीसरे क्वार्टर में भारत ने बढ़त बनाई। 33वें मिनट में पेनल्टी कानर पर शानदार रणनीति के तहत नवनीत कौर के शाट को निक्की प्रधान ने सही दिशा दी और कप्तान सलीमा टेटे ने गंद को गोल में पहुंचाकर भारत को 1-0 से आगे कर दिया। हालांकि जापान ने तुरंत जवाब दिया और 35वें मिनट में पेनल्टी कानर पर हिरामित्सु ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। निर्णायक चौथे क्वार्टर में भारत को जीत दिलाने वाला गोल 49वें मिनट में आया।

सुशीला चानू पुरामबम ने सर्कल के किनारे से सटीक पास दिया, जिस पर लालरेमसियामी ने शानदार डिफेंडेशन के जरिए गेंद को गोल में पहुंचा दिया। इस जीत के साथ भारत ने अमेरिका और जापान पर जीत दर्ज कर छह अंक हासिल किए और सेमीफाइनल में प्रवेश सुनिश्चित कर लिया। अब भारतीय टीम अपना अंतिम पूल मुकाबला 18 जून को उरुवे के खिलाफ खेलेगी, जबकि जापान और अमेरिका दूसरे सेमीफाइनल स्थान के लिए भिड़ेंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

श्रीलंका त्रिकोणीय सीरीज : चोटिल युधवीर सिंह की जगह अशोक शर्मा भारत ए टीम में शामिल



नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की पुरुष चयन समिति ने श्रीलंका में चल रही त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारत ए टीम में तेज गेंदबाज अशोक शर्मा को शामिल किया है। वह चोटिल युधवीर सिंह की जगह टीम का हिस्सा होंगे। बीसीसीआई के अनुसार, युधवीर सिंह को 13 जून को गेंदबाजी के दौरान दाएं कंधे में असहजता महसूस हुई थी। इससे पहले 11 जून को फील्डिंग सत्र के दौरान भी उन्हें इसी तरह की परेशानी हुई थी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने विशेषज्ञों से परामर्श के बाद जांच की और पाया कि युधवीर को दाएं कंधे के रोटेटर कफ में चोट है। चिकित्सकीय सलाह के अनुसार अब उन्हें पूर्ण रूप से फिट होने के लिए बीसीसीआई सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) की निगरानी में चरणबद्ध पुनर्वास कार्यक्रम से गुजरना होगा। युधवीर की अनुपस्थिति में अब अशोक शर्मा को टीम में शामिल किया गया है और वह आगामी मुकाबलों में भारत ए टीम का हिस्सा होंगे। श्रीलंका त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारत ए टीम (संशोधित) तिलक वर्मा (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़ (उपकप्तान), प्रियांशु आर्या, वैभव सर्वशर्मा, आयुष बदनो, निशांत सिंधु, सुशांत शोके, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विप्रज निगम, यश ठाकुर, अशुल कबीज, अरशद खान, अनुकुल राय, अशोक शर्मा।

वैनू की श्रीलंकाई खिलाड़ी से झड़प का कारण अब सामने आया

कोलंबो। श्रीलंका में खेले जा रही ए टीम की त्रिकोणीय सीरीज में भारत ए टीम के सलीमा बल्लेबाज वैभव



सूर्यवंशी और श्रीलंका ए टीम के खिलाड़ी के बीच हुई झड़प का कारण अब सामने आया है। इस घटना का एक वीडियो भी आया है। इसमें वैभव और श्रीलंकाई खिलाड़ी एक दूसरे का धक्का देते हुए दिख रहे हैं। कोलंबो में हुए इस मुकाबले में और श्रीलंका ए को सुपर ओवर में जीत मिली थी। मैच समाप्त होते ही मैदान पर तनाव का माहौल बन गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, श्रीलंकाई ए टीम के खिलाड़ी विशान हलबगो ने भारतीय बल्लेबाज वैभव को उकसाते हुए कहा, मैच समाप्त हो गया अब तुम घर जाओ। इसपर वैभव भड़क गये और उनकी श्रीलंकाई खिलाड़ी से बहस हो गयी। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच हल्की धक्का-मुक्की शुरू हो गई, जिसके कारण अन्य खिलाड़ियों और अंपायरों को हस्तक्षेप करना पड़ा। यह घटना उस मैच के बाद हुई जब श्रीलंका ए ने बेहद करीबी मुकाबले में सुपर ओवर के जरिए भारत ए को हराया था। हालांकि, सुपर ओवर कम रोशनी में खेला गया था, जिस पर बाद में सवाल भी उठे। इस पूरे मामले पर श्रीलंकाई ए टीम के डेविड रूम में भी काफी चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि डेविड रूम में कुछ सदस्यों ने सुझाव दिया कि टीम को भारतीय टीम से माफी मांगनी चाहिए। इसके पीछे एक वजह यह भी थी कि सुपर ओवर कम रोशनी में खेला गया था, जो खिलाड़ियों की सुरक्षा और खेल भावना के खिलाफ हो सकता था। कुछ कमेंटेटर्स ने कहा कि श्रीलंकाई टीम का व्यवहार पाकिस्तानियों जैसा था, जो खेल भावना के विपरीत था।

फीफा विश्व कप में स्वीडन से 5-1 की हार के बाद ट्यूनीशिया ने कोच बदला, एवं रेनाई को सौपी कप्तान

लास एंजिल्स। ट्यूनीशिया फुटबाल महासंघ ने फीफा विश्व कप में स्वीडन के खिलाफ 5-1 की करारी हार के बाद मुख्य कोच सबरी लामुशी को पद से हटा दिया है। उनकी जगह फ्रांस के अनुभवी कोच एवं रेनाई को राष्ट्रीय टीम की जिम्मेदारी सौपी गई है। इस फैसले की आधिकारिक घोषणा सोमवार को ट्यूनीशिया के राष्ट्रीय प्रसारण माध्यम के जरिए की गई। ट्यूनीशिया फुटबाल महासंघ के अध्यक्ष मोएज नस्सारी ने बताया कि एवं रेनाई के साथ आधिकारिक समझौता हो गया है और वह वर्ष 2026 विश्व कप के अंत तक टीम के मुख्य कोच बने रहेंगे। रेनाई अंतरराष्ट्रीय फुटबाल में अपने अनुभव और बड़े टूर्नामेंटों में शानदार रणनीति के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने वर्ष 2022 के विश्व कप में सऊदी अरब को प्रशिक्षित करते हुए उस समय की सबसे बड़ी उलटफेर वाली जीत दिलाई थी, जब उनकी टीम ने बाद में विश्व विजेता बनी अर्जेंटीना को हराया था। इसके बाद वह फ्रांस की महिला फुटबाल टीम के कोच भी रहे। पूर्व फ्रांसीसी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सबरी लामुशी ने इसी वर्ष जनवरी में ट्यूनीशिया टीम की कप्तान संभाली थी, लेकिन विश्व कप में निराशाजनक शुरुआत के बाद उनका कार्यकाल जल्द समाप्त हो गया।

फीफा विश्व कप में एक ही दिन में चार मैच हुए ड्र

लास एंजिल्स
फीफा विश्व कप 2026 में मंगलवार का दिन फुटबाल इतिहास में अनूठे रिकार्ड वाला रहा। इसमें एक ही दिन में चार मैच हुए समाप्त हुए। यह घटना 15 जून 1958 के बाद पहली बार हुई है, इस प्रकार पूरे 68 साल बाद फुटबाल प्रेमियों और विशेषज्ञों ने ऐसा दुर्लभ नजारा देखा। 1958 में हालांकि आठ मैच खेले गए थे पर एक ही दिन में इतने ड्र का सिलसिला आधुनिक फुटबाल के लिए एक असाधारण उपलब्धि मानी जा रही है।

दिन की शुरुआत ही एक बड़े उलटफेर से हुई। अटलांटा में खेले गए पहले मुकाबले में, विश्वकप में पदार्पण कर रही केप वर्डे टीम ने शानदार रक्षात्मक प्रदर्शन करते हुए दुनिया की नंबर दो टीम और मौजूदा यूरोपियन चैंपियन स्पेन को गोल-रहित ड्र (0-0) पर रोककर सनसनी फैल दी दिया। स्टार खिलाड़ियों से सजी स्पेनिश टीम अपने मजबूत आक्रमण के लिए जानी जाती है, लेकिन केप वर्डे के संगठित डिफेंस ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया। केप वर्डे का यह मजबूत प्रदर्शन मौजूदा वर्ल्ड कप के सबसे बड़े आश्चर्यों में से एक रहा और उन्होंने अपने पहले ही मैच में अपनी क्षमता का परिचय दिया।

दिन के दूसरे रोमांचक मैच में, मिस्र अपनी पहली फीफा वर्ल्ड कप जीत दर्ज करने से चूक गया। एएम अशौर ने जल्दी गोल कर टीम को बढ़त दिलाई थी, लेकिन मैदान पर उतरने के पहले ही मिनट में रोमेलु लुकाकू द्वारा किए गए एक ओन गोल (अपनी ही टीम के खिलाड़ी द्वारा किया गया गोल) ने खेल को बराबरी पर ला दिया। सिफ्टल में खेला गया यह मुकाबला बेल्जियम के साथ 1-1 से ड्र पर समाप्त हुआ, जिससे दोनों टीमों को एक-एक अंक से संतोष करना पड़ा।

मियामी में खेले गए तीसरे मुकाबले में भी यही कहानी दोहराई गई, जहाँ उरुवे को सऊदी अरब के खिलाफ 1-1 से ड्र से संतोष करना पड़ा। सऊदी अरब ने पहले गोल कर बढ़त बना ली थी, लेकिन मैक्सिमिलियानो अरुजो ने 80वें मिनट में महत्वपूर्ण बराबरी का गोल दागकर उरुवे को हार से बचाया। इस



फीफा विश्व कप 2026: ईरान और न्यूजीलैंड के बीच रोमांचक मुकाबला बराबरी पर समाप्त

लास एंजिल्स। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-जी के पहले मुकाबले में मंगलवार को ईरान और न्यूजीलैंड के बीच रोमांचक मुकाबला 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ। पूरे मैच में दोनों टीमों ने तेज और आक्रामक खेल दिखाया और अंतिम क्षण तक जीत के लिए संघर्ष किया। न्यूजीलैंड ने मुकाबले की शानदार शुरुआत करते हुए सातवें मिनट में ए. जस्ट के गोल की मदद से बढ़त बना ली। शुरुआती झटके के बाद ईरान ने खेल में वापसी की और 32वें मिनट में आर. रेजाइयान ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। पहले हाफ में दोनों टीमों को कई मौके मिले, लेकिन कोई भी टीम बढ़त नहीं बना सकी दूसरे हाफ में न्यूजीलैंड ने फिर दबाव बनाया और 54वें मिनट में ए. जस्ट ने अपना दूसरा गोल कर टीम को 2-1 से आगे कर दिया। हालांकि ईरान ने हार नहीं मानी और 64वें मिनट में एम. मोहेबी ने गोल कर मुकाबले को फिर बराबरी पर ला दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने निर्णायक गोल के लिए लगातार प्रयास किए, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली और मुकाबला 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ। इस परिणाम के बाद ग्रुप-जी पूरी तरह खुला हुआ नजर आ रहा है। शुरुआती दौर के बाद ईरान, न्यूजीलैंड, बेल्जियम और मिस्र सभी समान अंकों के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

ड्रा के साथ, ग्रुप एच में शामिल सभी टीमों - स्पेन, केप वर्डे, उरुवे और सऊदी अरब - अब एक-एक पाइंट पर बराबरी पर आ गई हैं, जिससे इस ग्रुप में आगे के मुकाबले और भी दिलचस्प हो गए हैं।

लास एंजिल्स के सोफी स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए दिन के आखिरी और सबसे रोमांचक मैच में,

ईरान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ कड़े संघर्ष के बाद 2-2 से ड्र खेला। दोनों टीमों ने मैच में बढ़त ली और गंवाई, जिससे दर्शकों को एक यादगार मुकाबला देखने को मिला, जिसमें अंत तक रोमांच बना रहा। ईरान और न्यूजीलैंड ने भी अपने वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत ड्रा के साथ की।

शरणार्थी शिविर से फीफा विश्वकप तक पहुंचे नेस्टोरी



मियामी। फीफा विश्वकप फुटबाल में इस बार आस्ट्रेलियाई टीम को पहले ही मुकाबले में जीत दिलाने वाला खिलाड़ी नेस्टोरी इरानकुंडा हीरो बनकर उभरे हैं। तुर्किये के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 27वें मिनट में शानदार गोल दागकर उन्होंने न केवल अपनी टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई, बल्कि 20 वर्ष और 125 दिन की उम्र में विश्व कप में गोल करने वाले सबसे युवा आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बनने की भी उपलब्धि अपने नाम की है। नेस्टोरी का यहां तक का सफर बेहद कठिन रहा है। तंजानिया के एक शरणार्थी शिविर में जन्मे नेस्टोरी के माता-पिता को बुरुंडी में गृहयुद्ध के कारण अपना देश छोड़ना पड़ा था और शरण लेने के लिए तंजानिया पहुंचना पड़ा था। इसी दौरान नेस्टोरी का जन्म हुआ। अपनी परिवार आस्ट्रेलिया चला आया, जिसने उनकी जिंदगी को एक नया मोड़ दिया। यहीं पर नेस्टोरी ने फुटबाल खेलना शुरू किया और धीरे-धीरे अपनी असाधारण प्रतिभा से सबका ध्यान खींचा। एडिलेड यूनाइटेड के लिए खेलते हुए उन्होंने घरेलू फुटबाल में अपनी पहचान बनाई, अपनी गति, तकनीक और आक्रामक खेल से आस्ट्रेलिया के सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में शामिल हो गये।

होल्कर स्टेडियम में जबलपुर के शेरों ने भोपाल के तेंदुओं को पछाड़ा

अर्पित और वेदांत के आगे अंश का अर्द्धशतक बेकार; पावरप्ले में रिकार्ड 100 रन टोक जबलपुर रायल लायंस ने 20वें ओवर की पहली गेंद पर हासिल किया 224 रनों का लक्ष्य, भोपाल 5 विकेट से परास्त

इंदौर

होल्कर स्टेडियम की दृधिया रोशनी में सलामी बल्लेबाज अर्पित गौड़ (59 रन, 23 गेंद) और वेदांत अवस्थी (69 रन, 34 गेंद) की आतिशी पारियों के दम पर जबलपुर रायल लायंस ने सोमवार को भोपाल लेपईंस को 5 विकेट से हरा

दिया। मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग टी-20 सिंधिया कप के 29वें मुकाबले में भोपाल लेपईंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 223 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था। जवाब में जबलपुर रायल लायंस ने पावरप्ले में रिकार्ड 100 रन कुटले हुए इस बड़े लक्ष्य को 19.1 ओवरों में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। भोपाल के लिए अंश बागडिया (51) की अर्द्धशतकीय पारी बेकार गई, जबकि जबलपुर के अर्पित गौड़ को प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

पावरप्ले में बरपा अर्पित का तूफान - 224 रनों के एक्सेट जैसे लक्ष्य का पीछा करने उतरी जबलपुर की शुरुआत विस्फोटक रही। सलामी बल्लेबाज अर्पित गौड़ ने भोपाल के तेज गेंदबाजों की धन्जिया उड़ते हुए मात्र 23 गेंदों में 59 रन (7 छक्के व 3 चौके)



ज्योति ने पूरे किए 100 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले, हाकी इंडिया ने दी बधाई

आकलैंड

भारतीय महिला हाकी टीम की मिडफील्डर खिलाड़ी ज्योति ने मंगलवार को न्यूजीलैंड में खेले गए एफआईएच महिला हाकी नेशंस कप के मुकाबले में जापान के खिलाफ उतरते ही अपने करियर का 100वां अंतरराष्ट्रीय मुकाबला पूरा कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली। इस अवसर पर हाकी इंडिया ने उन्हें बधाई देते हुए उनके योगदान को सराहना की। हरियाणा की रहने वाली ज्योति ने वर्ष 2019 में मलेशिया के खिलाफ द्विपक्षीय टेस्ट श्रृंखला के दौरान अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। अपनी मेहनत, अनुशासन और मिडफील्ड में शांत एवं प्रभावी खेल के दम पर उन्होंने भारतीय टीम में अपनी अलग पहचान बनाई।

अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान ज्योति कई बड़े टूर्नामेंटों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। वह उस भारतीय टीम का हिस्सा रहीं जिसने वर्ष 2022 के बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा महिला एशियाई चैंपियंस ट्राफी में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम में भी उनकी अहम भूमिका रही। उन्होंने प्रो लीग, एशिया कप और अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है।



इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए ज्योति ने कहा, भारत का प्रतिनिधित्व करना हमेशा मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। 100 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले पूरे करना मेरे लिए गर्व

का क्षण है और मैं इसे हमेशा याद रखूंगी। मैं अपने परिवार, प्रशिक्षकों, साथी खिलाड़ियों और उन सभी लोगों का धन्यवाद करती हूँ जिन्होंने इस यात्रा में मेरा साथ दिया।

उन्होंने आगे कहा, हर बार भारतीय जर्सी पहनकर मैदान पर उतरना मुझे देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की प्रेरणा देता है। इस सफर ने मुझे खिलाड़ी और व्यक्ति दोनों रूपों में मजबूत बनाया है। मैं आगे भी टीम की सफलता में योगदान देना चाहती हूँ और कई और यादगार पल बनाना चाहती हूँ।

हाकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने ज्योति को बधाई देते हुए कहा, 100 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले पूरे करना उनकी प्रतिबद्धता, निरंतरता और मेहनत का प्रमाण है। वह भारतीय महिला हाकी टीम की महत्वपूर्ण खिलाड़ी रही हैं और हर अवसर पर देश के लिए समर्पण के साथ खेलती हैं। हर्ष में उनकी उपलब्धियों पर गर्व है। हाकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, यह उपलब्धि दर्शाती है कि ज्योति ने लंबे समय तक लगातार मेहनत

और धैर्य के साथ खेल को आगे बढ़ाया है। उनकी यात्रा युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है, जो भविष्य में भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखते हैं।

हार्दिक के अच्छे विकल्प हो सकते हैं नितीश : रैना



मुंबई

भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा है कि युवा आलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी आगामी 2027 एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए चोटिल आलराउंडर हार्दिक पंड्या के एक अच्छे विकल्प हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि नितीश का वर्तमान समय में अच्छा प्रदर्शन रहा है। ऐसे में वह हार्दिक के अच्छे विकल्प बनने की योग्यता रखते हैं।

साथ ही कहा कि चयन समिति को अन्य विकल्प भी देखने चाहिये। इसका कारण है कि हार्दिक कई बार चोटिल होते रहते हैं। रैना ने कहा कि पंड्या की बार-बार होने वाली चोटें चिंता का विषय हैं और 2027 विश्व कप से पहले भारत को उनका एक बरोसेमंद विकल्प ढूंढना अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करना चाहिए।

रैना ने नितीश को एक अच्छे विकल्प के रूप में पेश किया, यह बताते हुए कि इस युवा आलराउंडर ने अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में उल्लेखनीय सुधार किया है। उन्होंने विस्तार से बताया, उनकी बल्लेबाजी और मजबूत हुई है। आईपीएल में उन्होंने अच्छी गति और

नियंत्रण के साथ गेंदबाजी की और उनकी फिटनेस भी अच्छी रही है। रैना ने टीम प्रबंधन को सलाह दी कि उन्हें रेड्डी के काम के बोझ का सावधानी से प्रबंधन करना चाहिए और उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर लगातार मौके देने चाहिए ताकि वह अपनी जगह पक्की कर सकें।

बाएं हाथ के पूर्व बल्लेबाज रैना ने भविष्य के संभावित कप्तान शुभमन गिल के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली की भूमिका को अहम बताया। उनका मानना है कि आईसीसी जैसे अत्यधिक दबाव वाले टूर्नामेंट में इन दिग्गजों का अनुभव गिल के लिए अमूल्य साबित होगा।

रैना ने जोर दिया, दोनों ही आईसीसी विश्व कप में काफी रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने आईसीसी ट्रांफियां जीती हैं और नाकआउट मुकाबलों में दबाव को संभालना जानते हैं। विश्व कप में भारत की कप्तानी करते समय शुभमन के लिए रोहित और विराट का साथ होना बहुत बड़ा फायदा होगा। यह दिखाता है कि भारत अपने युवा नेतृत्व को स्थापित करते हुए भी अनुभवी खिलाड़ियों के महत्व को बनाए रखना चाहता है।

में 33 रन देकर सर्वाधिक 2 विकेट लिए।

अंश और अनिकेत का पराक्रम - इससे पहले, टास हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भोपाल लेपईंस ने निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट पर 223 रनों का मजबूत स्कोर बनाया था। राहुल चंद्रोल (28) और तनिष्क यादव (26) ने पहले विकेट के लिए 45 रन जोड़े। इसके बाद मध्यक्रम में अंश बागडिया ने 34 गेंदों में 51 रनों की जिम्मेदारी भरी अर्द्धशतकीय पारी खेली। कप्तान अनिकेत वर्मा ने महज 20 गेंदों में 42 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। अंतिम ओवरों में कमल त्रिपाठी ने 6 गेंदों में नाबाद 20 रन बनाकर स्कोर को 223 तक पहुंचाया। जबलपुर के लिए गेंदबाज पुनीत दांते और पंकज पटेल ने 2-2 विकेट चटकाए।